an>

Title: Need to provide rehabilitation package to farmers of Nhava and Sheva villages affected by Jawahar Lal Nehru Port Trust, Mumbai.

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे (मावल) ः मैं सरकार का ध्यान जवाहर लाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट की समस्या की ओर दिलाना चाहता हूँ। जवाहर लाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट, भारत सरकार का एक बहुत ही लाभदायक पोर्ट है।

सिड्को ने नावा सेवा गाँव की जमीन, जे.एन.पी.टी. बनाने हेतु अधिग्रहण की और गाँव वासियों को विस्थापित करते समय यह वादा किया गया कि गाँव वासियों को 23 हैक्टेयर जमीन ग्राम विकास के लिए दी जाएगी और स्थानीय किसानों को यह भी वादा किया गया कि अधिग्रहण की गई कुल जमीन का 12.5 प्रतिशत हिस्सा स्थानीय को लौटाया जायेगा।

माननीय नरेन्द्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के पश्चात् उनका पहला कार्यक्रम जवाहर लाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट में हुआ था और इस कार्यक्रम में पांच स्थानीय किसानों को जमीन वापसी का पत्र माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा दिया गया था लेकिन अब जिले के कलेक्टर का कहना है कि यह पत्र गलत थे और अब स्थानीय किसानों को किसी तरह की भी जमीन नहीं दी जा रही है, जिसके कारण परियोजना से प्रभावित लोग और स्थानीय किसान अपने अधिकारों हेतु आन्दोलन कर रहे हैं।

अतः मैं सरकार से उक्त विषयों पर ठोस कदम उठाने एवं किये गये वादे के मुताबिक नवा सेवा इन दोनों गाँवों को 23 हैक्टेयर व 12.5 प्रतिशत जमीन विस्थापित किसानों को तुरन्त दिए जाने की माँग करता हूँ।